LOK SABHA DEBATES

Vol. XXXIV First day of the Eleventh Session of Seventh Lok Sabha No. 1

LOK SABHA

Friday, February 18, 1983/Magha 29, 1904 (Saka)

The Lok Sabha met at twenty minutes past Twelve of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार): अध्यक्ष जी कुछ मिनिस्टरों की सीटें खाली हैं। निकाले तो नहीं गये?

अध्यक्ष महोदय : आप माननीय सदस्य हैं, आपको ज्यादा पता है।

MEMEBERS SWORN

SHRI NIRMAL SINHA (Mathurapur)
SHRI PUCHALAPALLI PANCHALAIAH (Nellore)

श्री रामनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर): पहला प्रवेश है, तेलगु देशम का।

श्री जयपाल सिंह कश्यप (आवंला): इनको शुभकामनाएं दीजिए।

12.25 hrs.

PRESIDENT'S ADDRESS

SECRETARY: Sir, I lay on the Table a copy of the President's Address to both Houses of Parliament assembled together today.

President's Address

माननीय सदस्यगण

वर्ष 1983 में, संसद के इस पहले अधिवेशन में, मैं आपका स्वागत करता हूं। आने वाला वर्ष हमारे लिए चुनौतियों और अवसरों से भरा हुआ है, जिसके लिए संसद, सरकार और जनता को मिल-जुल कर काम करना होगा।

2. आर्थिक मोर्चे पर, आवश्यकता इस बात की है कि अर्थ-व्यवस्था में सुधार लाया जाए, उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाया जाए, अनुत्पादक खर्च को खत्म किया जाए और कीमतों पर काबू रखा जाए। कई देशों में मुद्रा फैलाव के बावजूद, हम मुद्रा के फैलाव पर नियन्त्रण रखने में सफल रहे हैं, जिस पर हमारा गर्व करना वाजिब है। वर्ष 1983 की मध्य जनवरी में थोक-बाजार कीमतें इससे पहले के 12 महीनें की अपेक्षा केवल 2.8 प्रतिशत ही अधिक रहीं। और यह सब उस व्यापक सूखे के बावजूद है, जिसकी लपेट में 4.8 करोड़ हैक्टेयर भूमि आ गई थी और 31.2 करोड़ लोगों पर उसका प्रभाव पड़ा था। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का विस्तार किया गया और उसे अधिक कुशल बनाया गया। पिछले तीन वर्षों में लगभग 50,000 उचित दर दुकानें खोली गईं। इस वर्ष केन्द्रीय सरकार सूखा, बाढ़ और तूफान के शिकार लोगों को राहत देने के लिए राज्यों को लगभग 700 करोड़ रुपये की राशि देगी, जो राहत कार्य के लिए किसी भी वर्ष में दी जाने वाली राशी से ज्यादा है। इन कुदरती आफतों के शिकार लोगों से हमें हमदर्दी है और हम उनके साहस और राहत कार्यों में लगे कार्यकर्ताओं की कर्तव्य-निष्ठा की सराहना करते हैं।